

27/8  
24

पत्रावली पेशा व कील उभयपक्ष उपा। वकील  
उभयपक्ष ने पार्थनापत्र पर सहमति जाहिर कर  
ना डूमला मूलवाद राजप रेकॉर्ड अथा ध्यान  
हेतु उभयपक्षों को पाबंद होने का विवेक न किया  
जिस वकील को वाद ग्राह्य था राजी में ना डूमला  
मूलवाद राजप रेकॉर्ड अथा ध्यान कायम  
रखने हेतु उभयपक्षों को पाबंद किया जाना है  
पत्रावली डूमल शुभा (हो) (दर) व मूल सिद्ध  
की जाकर दालियल दफ्तार हो।

2/8/24  
उपलब्ध अधिका  
श्रीगणेशाय नमः